दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

रक्षाबंधन के
शुभ अवसर पर
काजू कतरी, काजू रोल
बदाम बर्फी, बदाम रोल
केसर पेड़े, पिस्ता लॉज
मिलेगा.
Order Now
www.mmmithaiwala.com
+91 98208 99501
MM MITHAIWALA

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

15 AUGUST
INDEPENDENCE DAY

वर्षः 12 - अंक : 173, मुंबई, सोमवार, 15 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान ■ मूल्यः 1 रु.

शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला का निधन

मुंबई। इंडियन शेयर मार्केट के बिग बुल राकेश झुनझुनवाला का रविवार को 62 साल की उम्र में निधन हो गया। सुबह 6 बजकर 45 मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल पहुंचने पर अथॉरिटीज ने झुनझुनवाला को मृत घोषित किया। अस्पताल के डॉ. प्रतीत समदानी ने बताया कि झुनझुनवाला की मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई है। वह क्रोनिक किडनी डिसीज से पीड़ित थे और क्रोनिक डायलिसिस पर थे। वह अच्छा रिस्पॉन्स दे रहे थे।

सूचना

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हमारा कार्यालय बंद रहेगा। इस कारण मुंबई हलचल का अगला संस्करण 17 अगस्त 2022 को प्रकाशित होगा। आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
–संपादक

राष्ट्रपति का देश के नाम संदेश

मुर्मू बोलीं– जब दुनिया कोरोना से जूझ रही थी, तब भारत ने खुद को संभाला

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित किया। अपने पहले संबोधन में उन्होंने महिलाओं के अधिकारों से लेकर आदिवासी समुदाय के योगदान तक पर बात की। (समाचार पृष्ठ 2 पर)

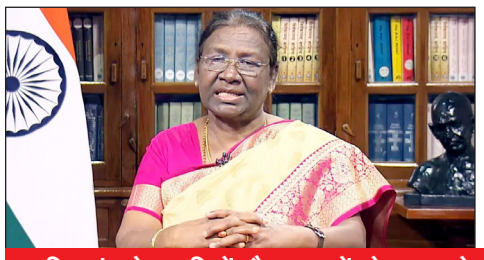

हमारे देश की बहुत सी उम्मीदें हमारी बेटियों पर टिकी हुई हैं। समुचित अवसर मिलने पर वे शानदार सफलता हासिल कर सकती हैं

महिलाएं अनेक रूढ़ियों और बाधाओं को पार करते हुए आगे बढ़ रही हैं। समाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं में उनकी बढ़ती भागीदारी निर्णायक साबित होगी। आज हमारी पंचायती राज संस्थाओं में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की संख्या चौदह लाख से कहीं अधिक है।

राधे मां के भक्त तथा एम. एम. मिठाईवाला के मालिक मनमोहन गुप्ता का निधन

मुंबई। मुंबई के मालाड (पश्चिम) में स्टेशन के सामने सात दशकों से ज्यादा समय से स्थिति सुप्रसिद्ध एम. एम. मिठाईवाला की दुकान है, जिसके मालिक, उद्योगपति, समाजसेवी व राधेमां के भक्त मनमोहन गुप्ता का निधन 13 अगस्त 2022 को मुंबई के लीलावती अस्पताल से घर आने के बाद घर पर सुबह 4 बजे हो गया। मनमोहन गुप्ता 75 वर्ष के थे और काफी समय से बीमार चल रहे थे। जिनके अंतिम दर्शन के लिए उनका पार्थिव शरीर बोरीवली (पश्चिम) में स्थित नंदनंदनवन भवन, सोडावाला में उनके घर पर 11 बजे सुबह शनिवार 13 अगस्त 2022 को रखा गया था, उसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया किया। यह जानकारी उनके पुत्र संजीव गुप्ता ने दी है।

शिंदे सरकार के विभागों के बंटवारे में फडणवीस का

मास्टरस्ट्रोक

सीएम पद देकर सब ले लिया

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के बाद आज उनके विभागों का बंटवारा भी हो गया। इस बंटवारे से यह तय हो गया कि उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मास्टरस्ट्रोक खेला है। सीएम का पद एकनाथ शिंदे को भले ही मिल गया हो लेकिन बाकी ज्यादातर पावरफुल विभाग फडणवीस ने अपने हाथ में रखा है। (समाचार पृष्ठ 2 पर)

विभागों के बंटवारे से भी बात सामने आई, शिंदे सरकार में बीजेपी ही बड़ा भाई

फडणवीस के अलावा बीजेपी के खाते में चंद्रकांत पाटील के हिस्से उच्च व तकनीकी शिक्षा, कपड़ा उद्योग, संसदीय कार्य विभाग आया है तो सुधीर मुनगंटीवार के हिस्से वन, मत्स्य और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े विभाग आए हैं। राधाकृष्ण विखे पाटील को राजस्व, पशुपालन और डेयरी विकास दिया गया है। गिरीश महाजन ग्राम विकास, पंचायती राज, मेडिकल एजूकेशन, खेलकूद और युवा कल्याण से जुड़े विभाग संभालेंगे। विजय कुमार गावित को आदिवासी विकास मंत्री बनाया गया है। इसी तरह सुरेश खाड़े को लेबर डिपार्टमेंट की जिम्मेदारी दी गई है। रवींद्र चव्हाण को लोक निर्माण (सार्वजनिक उद्यमों को छोड़कर), खाद्य और नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण से जुड़े विभाग दिए गए हैं। अतुल सावे के नाम सहकारिता, अन्य पिछड़ा वर्ग, बहुजन कल्याण से जुड़े विभाग दिए गए हैं। मंगल प्रभात लोढ़ा पर्यटन, कौशल विकास और उद्यमिता, महिला और बाल विकास मंत्री बनाए गए हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

स्वतंत्रता दिवस विशेष

दिलशाद एस. खान
संपादक
दै. मुंबई हलचल

पहले भारत विदेशी शासन की बेड़ियों से मुक्त हुआ था। 15 अगस्त 1947 को हमारे स्वतंत्रता संग्राम ने एक खास मंजिल तय की। लेकिन वह आखिरी मुकाम नहीं था। भारत की आजादी की लड़ाई की यही विशेषता थी कि विदेशी राज के खात्मे को कभी अंतिम उद्देश्य नहीं माना गया। बल्कि उसे उन सपनों को साकार करने का माध्यम समझा गया, जो हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देखे थे। इन सपनों के बनने की लंबी कथा है। इसकी शुरूआत यह समझ बनने से हुई कि अंग्रेजों के शोषण से भारत भूमि के सभी जन-समूह दरिद्र हुए हैं। स्वाभाविक रूप से स्वतंत्रता को देश के आर्थिक दोहन से मुक्ति और सभी जन-समुदायों की खुशहाली के रूप में समझा गया। हमारे तब के मनीषी भारत की बहुलता और विभिन्नाता से परिचित थे। अतः उदारता और सबको साथ लेकर चलने का तत्व उन्होंने नवोदित भारतीय राष्ट्रवाद के विचार से जोड़ा। महात्मा गांधी के आगमन के साथ स्वतंत्रता आंदोलन में जन-भागीदारी की शुरूआत हुई। हजारों लोगों की प्रत्यक्ष सहभागिता ने वह जन-चेतना पैदा की, जो आगे चल कर हमारे लोकतंत्र का आधार बनी। लोकतंत्र की प्रगाढ़ होती आकांक्षाओं के साथ पारंपरिक रूप से शोषित-उत्पीड़ित समूहों को न्याय दिलाने का संकल्प राष्ट्रवाद के आधारभूत मूल्यों में शामिल हुआ। अतः इन जन-समुदायों को तरक्की के विशेष अवसर देने का वादा भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन ने किया। मगर बात यहीं तक सीमित नहीं थी। जब आजादी दूर थी, तभी इस आंदोलन के नेता देश की भावी विकास नीति पर चर्चा कर रहे थे। इस बिंदु पर महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के मतभेद जग-जाहिर हैं। परंतु रेखांकित करने का पहलू यह है कि प्रगति का एजेंडा स्वतंत्रता संग्राम का अभिन्ना अंग बना और जब आजादी आई तो देश ने उस एजेंडे को अपनाया। देश के बंटवारे, सांप्रदायिक उन्माद, बड़े पैमाने पर खून-खराबे और आबादी की अदला-बदली की त्रासदी के बावजूद यह एजेंडा ओझल नहीं हुआ। बल्कि प्रगति के सपने ने तब उस दर्द से उबरने में भारतवासियों की मदद की। आज यह इसलिए याद करने योग्य है, क्योंकि उस सपने के कई हिस्से अधूरे हैं। आज स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यह हम सबके लिए आत्म-निरीक्षण का प्रश्न है कि आजादी से जो बोध होता है, क्या वह सभी भारतवासियों को उपलब्ध है? उत्सव और प्राप्त उपलब्धियों पर गौरव के क्षणों में भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज भी करोड़ों देशवासी बुनियादी सुविधाओं एवं गरिमामय जीवन के लिए अनिवार्य अवसरों से वंचित हैं। जब तक ऐसा है, स्वतंत्रता सेनानियों का सपना साकार नहीं होगा। तब तक उनका बलिदान हमारी अंतर्चेतना पर बोझ बना रहेगा। गुजरे सालों की हमारी सफलताएं गर्व करने योग्य हैं, लेकिन आज के दिन हमें केवल उन पर नहीं, बल्कि उन विफलताओं पर भी ध्यान देना चाहिए, जिन पर विजय पाए बिना हमारा स्वतंत्रता संग्राम अपनी अंतिम मंजिल तक नहीं पहुंच सकता। कई लक्ष्य ऐसे हैं जो अभी हमारी पहुंच से दूर बने हुए हैं उन्हें हासिल करना जरूरी है। अधिकतम तक नहीं बल्कि सभी तक पहुंचने वाली आजादी का ही ख्वाब हमने देखा था वह लक्ष्य पाना बाकी है। इस पड़ाव पर हम आगे के लिए संकल्प साधें और बढ़ें नई मंजिलों की ओर। हम साथ मिलकर चल रहे हैं तो चुनौतियों को हल करने के रास्ते तलाशना भी सीखते जाएंगे। देश की समस्याओं के समाधान भी तलाश ही पाएंगे।

रेवड़ियां बांटने की राजनीति

हिंदी की एक कहावत है कि 'अंधा बांटे रेवड़ी, अपने-अपने को देय।' अपने नेताओं ने अपने आचरण से इस कहावत को यों बदल दिया है कि 'अंधा बांटे रेवड़ी, सिर्फ खुद को ही देय।' सिर्फ खुद को फायदा करने के लिए ही आजकल हमारे सत्तारुढ़ दल सरकारी रेवड़ियां बांटते रहते हैं। आजकल देश की लगभग सभी राजनीतिक पार्टियां थोक वोट बटोरने के लालच में मतदाताओं को तरह-तरह की चीजें उपहार में बांटती रहती हैं। ये ऐसी चीजें हैं, जिनके बिना भी करोड़ों लोग आराम से गुजर-बसर कर सकते हैं।

कई राज्य सरकारों ने अपनी महिला वोटरों को मुफ्त साड़ियां, सोने की चेन, बर्तन, मिक्स-ग्राइंडर और बच्चों को कंप्यूटर, पोषाख, भोजन आदि मुफ्त भेंट किए हैं। कई प्रदेश सरकारों ने मुफ्त साइकिलें भी भेंट में दी हैं। क्या ये सब चीजें जिंदा रहने के लिए बेहद जरुरी हैं? नहीं हैं, फिर भी इन्हें मुफ्त में इसीलिए बांटा जाता है कि सरकारों और नेताओं की छवि बनती है। इसका नतीजा क्या होता है? यह होता है कि हमारी प्रांतीय सरकारें गले-गले तक कर्ज में डूब जाती हैं। वे डूब जाएं तो डूब जाएं, मुफ्त रेवड़ियां बांटने वाले नेता तो तिर जाते हैं। आजकल हमारी प्रांतीय सरकारें लगभग 15 लाख करोड़ रु. के कर्ज में डूबी हुई हैं। वे रेवड़ियां बांटने में एक-दूसरे से आगे निकलने के लिए उतावली हो रही हैं। कुछ सरकारों ने तो अपने नागरिकों को बिजली और पानी मुफ्त में देने की घोषणा कर रखी है। महिलाओं के लिए बस-यात्रा मुफ्त कर दी गई है। इसका नतीजा यह है कि हमारी सरकारें देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में बहुत पिछड़ गई हैं। देश में गरीबी, बेरोजगारी, रोग और भुखमरी का बोलबाला है। इसी को लेकर आजकल भारत के सर्वोच्च न्यायालय में जमकर बहस चल रही है। एक याचिका में मांग की गई है कि उन राजनीतिक दलों को अवैध घोषित कर दिया जाना चाहिए, जिनकी सरकारें मुफ्त की रेवड़ियां बांटती हैं। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय की राय है कि यह तय करना न्यायालय नहीं, संसद का काम है। सर्वोच्च न्यायालय ने एक कमेटी बना दी है, जिसमें केंद्र सरकार के अलावा कई महत्वपूर्ण संस्थाओं के प्रतिनिधि अपने सुझाव देंगे। चुनाव आयोग ने इसका सदस्य बनने से इंकार कर दिया है, क्योंकि वह एक संवैधानिक संगठन है। सच्चाई तो यह है कि यह बहुत ही पेचीदा मामला है। सरकारें यदि राहत की राजनीति नहीं करेंगी तो उनका कोई महत्व ही नहीं रह जाएगा। यदि बाढ़ग्रस्त इलाकों में सरकारें खाद्य-सामग्री नहीं बांटेंगी तो उनका रहना और न रहना एक बराबर ही हो जाएगा। इसी तरह महामारी के दौरान 80 करोड़ लोगों को दिए गए मुफ्त अनाज को क्या कोई रिश्वत कह सकता है? वास्तव में भारत-जैसे विकासमान राष्ट्र में शिक्षा और चिकित्सा को सर्वसुलभ बनाने के लिए जनता को जो भी राहत दी जाए, वह सराहनीय मानी जानी चाहिए लेकिन शेष सभी रेवड़ियों को परोसे जाने के पहले न्याय के तराजू पर तोला जाना चाहिए।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

राष्ट्रपति का देश के नाम संदेश

वहीं, यह भी कहा कि कोरोना के दौर में जब पूरी दुनिया संकट से जूझ रही थी, तब भारत ने खुद को संभाला। अब भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। कोरोना के दौर की बात करते हुए राष्ट्रपति ने कहा- हमने देश में बनी वैक्सीन के साथ मानव इतिहास का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू किया। पिछले महीने हमने दो सौ करोड़ वैक्सीन कवरेज का आंकड़ा पार कर लिया है। महामारी का सामना करने में हमारी उपलब्धियां दुनिया विकसित देशों से बेहतर रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में महिलाओं को वोटिंग राइट्स हासिल करने के लिए लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा था, जबकि भारत ने गणतंत्र की शुरूआत से ही सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को अपनाया। इससे शुरूआत से ही महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला। राष्ट्रपति ने कहा कि देश की बहुत सी उम्मीदें बेटियों पर टिकी हुई हैं। मौका मिलने पर वे शानदार सफलता हासिल कर सकती हैं। आज बेटियां फाइटर पायलट से लेकर स्पेस साइंटिस्ट तक हर काम में अपना परचम लहरा रही हैं। उन्होंने कहा- भारत के नए आत्मविश्वास का स्रोत देश के युवा, किसान और सबसे बढ़कर देश की महिलाएं हैं। महिलाएं अनेक रूढ़ियों और बाधाओं को पार करते हुए आगे बढ़ रही हैं। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में उनकी बढ़ती भागीदारी निर्णायक साबित होगी। आज हमारी पंचायती राज संस्थाओं में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की संख्या चौदह लाख से भी ज्यादा है। देश के प्रत्येक नागरिक से मेरा अनुरोध है कि वे अपने मूल कर्तव्यों के बारे में जानें, उनका पालन करें, जिससे हमारा राष्ट्र नई ऊंचाइयों को छू सके। आज देश में स्वास्थ्य, शिक्षा और अर्थ-व्यवस्था तथा इनके साथ जुड़े अन्य क्षेत्रों में जो अच्छे बदलाव दिखाई दे रहे हैं उनके मूल में सुशासन पर विशेष बल दिए जाने की प्रमुख भूमिका है।

शिंदे सरकार के विभागों के बंटवारे में फडणवीस का मास्टरस्ट्रोक, सीएम पद देकर सब ले लिया

फडणवीस ने ना सिर्फ महा विकास आघाड़ी सरकार के वक्त के उप मुख्यमंत्री अजित पवार और गृहमंत्री दिलीप वलसे पाटील का खाता अपने पास रखा है। बल्कि एनसीपी अध्यक्ष जयंत पाटील और जितेंद्र आव्हाड का खाता भी अपने पास रखा है। वैसे तो सीएम शिंदे के पास 14 विभाग हैं और फडणवीस के पास 8, लेकिन इन आठ की ठाठ निराली है। महा विकास आघाड़ी सरकार में उद्धव ठाकरे को सीएम की कुर्सी थमा कर एनसीपी ने सारे अच्छे विभाग अपने पास रखे थे और उसमें से जो बचा वो कांग्रेस को दिया गया था। वही काम इस बार बीजेपी ने किया है। फडणवीस ने गृह और वित्त के साथ-साथ जलसंपदा, आवास, उर्जा, योजना, लाभ क्षेत्र विकास, कानून और न्याय और राजशिष्टाचार विभाग अपने पास रखा है। एनसीपी के चार बड़े मंत्रियों के खाते फडणवीस ने अपने पास रखे हैं। जलसंपदा मंत्रालय जयंत पाटील के हाथ था तो आवास जितेंद्र आव्हाड संभाल रहे थे। शिंदे गुट के मंत्रियों में गुलाबराव पाटील एक बार फिर जल आपूर्ति मंत्री बनाए गए हैं, साथ ही उन्हें स्वच्छता विभाग भी दिया गया है। दादा भूसे आघाड़ी सरकार में कृषि मंत्री थे, लेकिन अब बंदरगाह और खदान मंत्री बनाए गए हैं। कृषि मंत्री अब्दुल सत्तार को बनाया गया है। संजय राठोड़ को खाद्य और औषधि प्रशासन का विभाग दिया गया है। सत्तार का नाम टीईटी घोटाले में आ रहा है और संजय राठोड़ पर टिकटॉक स्टार पूजा चव्हाण की हत्या का इल्जाम लगा था। इस वजह से राठोड़ को आघाड़ी सरकार में वन मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। लेकिन एकनाथ शिंदे इन दोनों पर खासे मेहरबान हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

Shri Narendra Modi
Hon. Prime Minister

सत्यमेव जयते
Government of Maharashtra

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Har Ghar Tiranga

13th to 15th August 2022

Our Tricolour is a symbol of India's fight for freedom.
Let us participate, get united in the nationwide 'Har Ghar Tiranga' movement
as a part of 'Azadi Ka Amrit Mahotsav' celebrations.
Showing great respect and honour for our Tiranga,
let us hoist the Tricolour at every house and
make this a great celebration of India @75!

Tiranga available at

You can buy from Gram Panchayats, Talathi offices, Ration Shops & Post Offices.

Always respect our National Flag

Use of plastic flags is prohibited.
After the celebration, the National Flag should be lowered respectfully.

Shri Eknath Shinde
Hon. Chief Minister

Shri Devendra Fadnavis
Hon. Deputy Chief Minister

www.mahasamvad.in | /MahaDGIPR | /MaharashtraDGIPR | महाराष्ट्र शासन

Directorate General of Information and Public Relations Government of Maharashtra

DGIPR/2022-23 / C 2339

करूर वैश्य बैंक ने सीएसआर पहल के तहत हर घर तिरंगा अभियान चलाया

मुंबई। करूर वैश्य बैंक अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी पहल के हिस्से के रूप में आजादी का अमृत महोत्सव के हर घर तिरंगा अभियान में बढ़ चढ़कर भाग ले रहा है। यह अभियान लोगों को भारत की स्वतंत्रता के 75वें साल के मौके पर सभी घरों में तिरंगा फहराने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए है। हाल ही में मुंबई में हुए दो अलग-अलग समारोहों में, बैंक ने अभियान के हिस्से के रूप में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज बाँटे। करूर वैश्य बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री बी रमेश बाबू ने सीआईएसएफ यूनिट कमांडेंट ललित शेखर झा के साथ मिलकर केंद्रीय औद्योगिक और सुरक्षा बल, ओएनजीसी यूनिट, माहिम में राष्ट्रीय ध्वज बाँटे। इस अवसर के बारे में बात करते हुए, श्री रमेश बाबू ने हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों और कड़ी मेहनत से हासिल की गई स्वतंत्रता की रक्षा करने के सीआईएसएफ के उत्कृष्ट कार्य की तारीफ की। इससे पहले दिन, बैंक के मुंबई मंडल के प्रमुख श्री एस विनोद कुमार ने सुश्री ओनिमा कोर्डा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, मध्य रेलवे, मुंबई मंडल के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर यात्रियों को राष्ट्रीय ध्वज बाँटे। बैंक तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों में भी राष्ट्रीय ध्वज बाँटने के लिए रोड शो और स्ट्रीट कॉर्नर कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

हिंदुस्तान की 75वीं आजादी दिवस का आजादी गौरव महोत्सव: एन डी कादरी

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। एन डी कादरी ने बताया कि पंडित धर्म कांटा के पास लोहा मंडी विकास समिति ने झंडारोहण व आए हुए सभी अतिथियों ने लोहा मंडी के जानिब से लगाए गए राष्ट्रीय ध्वज पर पुष्प वर्षा की इस प्रोग्राम में देशभक्ति गीतों का म्यूजिकल प्रोग्राम किया गया जाकिर हुसैन नागौरी में कौमी तराना राष्ट्रीय गीत पेश किया। एन डी कादरी ने राष्ट्रीय गीत की प्रस्तुति पेश की वरिष्ठ नेता शशि शर्मा जी ने कहा देश के शहीदों को आजादी गौरव महोत्सव के माध्यम से हम सभी देशवासी श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने देश की आजादी में अपने प्राणों का बलिदान दिया। साजिद सुलेमानी ने कहा ऐसे प्रोग्राम के आयोजन से युवाओं में देशभक्ति की भावना उत्पन्न होती है इस प्रोग्राम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशिकांत शर्मा भारत सरकार पुरातत्व विभाग के पूर्व सदस्य साजिद सुलेमानी, युसूफ नागौरी, फुसाराम, एन डी कादरी, अता हुसैन कादरी, अकरम नागौरी, एडवोकेट असलम, एडवोकेट सकीना, मुमताज शेख, एडवोकेट अशरफ उस्ता, मास्टर मनसूर अली, मास्टर इकबाल, मुस्तकीम कलाकार, नासिर खाटू, इकरामुद्दीन नागौरी, सोनू पठान, हाफिज अब्दुल रहमान मलिक राठौड़, कालूराम, मोहम्मद हसन, प्रेमाराम, मोहम्मद साबिर, मोहम्मद इशाक, किसनाराम, इमामदिन, अकरम सैयद, गुफरान चौधरी, अशोक, मूलचंद, सद्दाम कलाकार, व्यास जी मिस्त्री, मोहम्मद अरशद, हाजी मोहम्मद फारूक, माहीन हसन, नासिर नागौरी, रियाज अहमद, नईम नागौरी, विनीत लोहार, पवन कुमार, कुणाल सोलंकी, मूलाराम नायक, असलम मिस्त्री, खलील राठौड़, आदि सैकड़ों की संख्या में लोहा मंडी के व्यापारी गण एवं मजदूर उपस्थित हुए।

भीलवाड़ा में अमृत महोत्सव के तहत न्यायालय में तिरंगा रैली आयोजित गई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा में भाजपा विधि प्रकोष्ठ द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत न्यायालय परिसर भीलवाड़ा में जिला संयोजक हेमेंद्र सिंह राणावत के नेतृत्व में तिरंगा रैली आयोजित की गई। विधि प्रकोष्ठ संयोजक हेमेंद्र सिंह ने बताया कि आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर पूरा देश स्वतंत्रता दिवस को अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है।आज न्यायालय परिसर भीलवाड़ा में हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंद्रप्रकाश श्रीमाली व बार काउंसिल ऑफ इंडिया के को चेयरमैन सुरेशचंद्र श्रीमाली व व अधिवक्ता परिषद अध्यक्ष रघुनंदन सिंह कानावत द्वारा तिरंगा लहराकर रैली की शुरूआत की। अधिवक्ताओं ने भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारो के साथ तिरंगा रैली न्यायालय परिसर में निकाली गई और विधि प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने अधिवक्ताओं, न्यायिक कर्मचारियों व पक्षकारों को तिरंगा झंडा वितरित किया गया और सभी को अपने, घर, ऑफिस व प्रतिष्ठान पर तिरंगा झंडा लगाने के लिए प्रेरित किया गया। तिरंगा रैली के आयोजन में अधिवक्ता परिषद के पदाधिकारियों ने भी सहयोग किया। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर लाल विजयवर्गीय, राजकुमार शर्मा, भैरू लाल बापना, कृष्णगोपाल शर्मा, राधेश्याम विजयवर्गीय, विधि प्रकोष्ठ जिला कार्यकारिणी सदस्य कुशल साहू, घनश्याम चंदेल, बाबू लाल आचार्य, पीरू सिंह गौड़, अशोक गट्टानी, सपना जैन, बार एसोसिएशन भीलवाड़ा के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र कचोलिया, मोहम्मद फरजन, सुरेश पालीवाल, रतन लाल जाट, रघवेंद्रनाथ व्यास, राजेश सामरिया, सुरेंद्र प्रताप सुवालका, विशाल उपाध्याय, गोपाल अजमेरा, राकेश जैन, गोपाल सोनी, नीरज पाराशर, भगवती शर्मा, मनोरमा बारु, गजेंद्र सिंह कानावत, दीपक मित्तल, सौरभ पारीक सहित कई अधिवक्तागण रैली में शामिल हुए।

शाहपुरा में स्वयं सहायता समूह, परशुराम सेवा समिति, आलोक सेकेंडरी स्कूल एवं बारहठ महाविद्यालय में तिरंगा यात्रा निकाली गई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

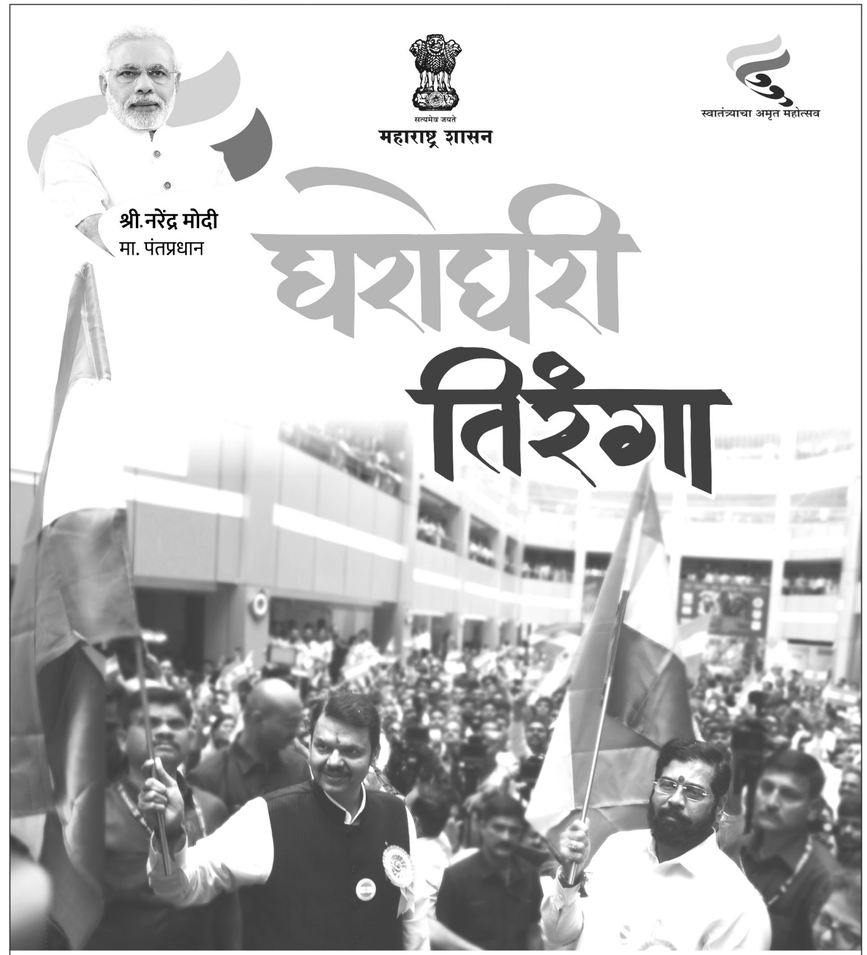

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा कस्बे में स्वयं सहायता समूह एवं परशुराम सेवा समिति एवं आलोक सेकेंडरी स्कूल एवं प्रताप सिंह बारहठ महाविद्यालय में हर घर तिरंगा एव आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में नियोजित कार्यक्रमों की श्रंखला के अंतर्गत तिरंगा यात्रा निकाली गई जानकारी के अनुसार पंचायत समिति शाहपुरा में स्वयं सहायता समूह की रैली को उपखंड अधिकारी तहसीलदार ने झंडी दिखाकर रैली रवाना की परशुराम सेवा समिति द्वारा त्रिमूर्ति चौराहे पर कार्यक्रम आयोजित किया आलोक सेंट्रल स्कूल द्वारा विद्यालय में 800 झंडो का वितरण किया गया एवं वीरेंद्र व्यास द्वारा 15 अगस्त के बाद में सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। श्री प्रताप सिंह बारहठ महाविद्यालय में इस अवसर पर कार्यवाहक प्राचार्य प्रो पुष्करराज मीणा ने हर घर तिरंगा एव आजादी के अमृत महोत्सव की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए आगामी कार्यक्रमों में जानकारी दी। महाविद्यालय से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया गया। तिरंगा यात्रा में सभी छात्रों ने हिस्सा लिया और भारत माता और वंदे मातरम के जयकारों से शहर को गूंजा दिया। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ पुष्करराज मीणा, प्रो मूलचंद खटीक, डॉ अनिल श्रोत्रीय, डॉक्टर ऋचा अंगिरा, प्रो जयकृष्ण त्रिपाठी, डॉक्टर हंसराज सोनी, प्रो अतुल जोशी, प्रो नेहा जैन, सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी वेद प्रकाश सुथार, छात्र सेवक जयंत जीनगर, विजेंद्र सिंह राणावत सहित डॉ रंजीत जागरीया प्रोफेसर धर्म नारायणस वैष्णव एवं छात्र छात्राएं उपास्तिथ रहे।

देश में जिस गरीब को एक समय का खाना नशीब नहीं वह राष्ट्रीय ध्वज सशुल्क कैसे लेगा?

(वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक मोहम्मद जावेद खान की कलम से...)

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान हमारे देश में चुनावी बयार में राजनीतिक पार्टियों के बैनर, झंडे घर घर जाकर निशुल्क बांटे जाते हैं और कितनी बचकानी और हास्यास्पद बात है कि हमारे देश में राष्ट्रीय ध्वज आज बाजार में सशुल्क मिल रहा हैं। अच्छा तो तब होता जब सरकार इसे भी निःशुल्क जनता के बीच वितरित कराती। देश में जिस व्यक्ति के पास एक समय का खाना नहीं होगा वह आखिर राष्ट्रीय ध्वज कैसे लेगा? यह बात हर इंसान को विचलित कर देती हैं। राजनीतिक पार्टियों की मनोदशा और आमजन के बीच सरकार की मंशा तथा सक्षम जनता का स्वदेशी पर नजरिए का वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक मोहम्मद जावेद खान ने जिस तरह सटीक विश्लेषण किया वह वाकई काबिले तारीफ है और आमजन को सोचने पर विवश करता है। मोहम्मद जावेद खान लिखते हैं कि -

चुनावों में राजनीतिक पार्टियों का झंडा निशुल्क।
राष्ट्रीय पर्व पर राष्ट्रीय ध्वज सहाशुल्क।।

भारत को आजाद हुए 75 वर्ष गुजर गए हैं, पर शायद विदेशी सभ्यता हमारे दिलों पर हावी है, 15 अगस्त और 26 जनवरी को अचानक हमारे लहू में देश प्रेम हिचकोले खाने लगता है, इस दिन चारों तरफ देश भक्ति के गानों से पूरा शहर गूंजने लगता है, ऐसा लगता है, मानो हमारे देश का हर नागरिक देश प्रेम में डूबा हुआ है। केवल 15 अगस्त को राष्ट्रीय ध्वज उठाने और भारत माता के जयकारा लगाने से हम सच्चे देशभक्त नहीं कहला सकते, 13 अगस्त से 15 अगस्त तक आजादी का जश्न मनाया जाएगा हर घर झंडा, घर-घर झंडा, यह झंडा बाजार में 20 रुपए में उपलब्ध है, वही यही झंडा डाकघरों में 25 रुपए में दिया जा रहा है, अभी कुछ दिन पहले ही मध्यप्रदेश में नगर निकायों के चुनाव संपन्न हुए, हर राजनीतिक पार्टियों ने घर घर जाकर अपनी पार्टी के झंडे लगाए पर अफसोस राष्ट्रीय ध्वज बाजारों में बेचा जा रहा है, अगर राजनीतिक पार्टियां हर घर में निशुल्क राष्ट्रीय ध्वज बांटती तो इन पार्टियों पर प्रश्नचिन्ह नहीं लगते, सत्ता के लिए पार्टी का ध्वज निशुल्क और देश के जश्न के लिए राष्ट्रीय ध्वज शुल्क के साथ। वही बात करें हम पैसे वालों और आम नागरिकों की हम लोग फिर से विदेशी कंपनियों और उसके सामानों के गुलाम हो गए हैं, हमारे दिन की शुरूआत विदेशी सामानों से होती है, सुबह उठते ही विदेशी टूथपेस्ट से होती है, हम बड़ी शान से क्लोजअप या कोलगेट टूथपेस्ट इस्तेमाल करते हैं, शायद आपको मालूम होगा कोलगेट पामोलिव कंपनी अमेरिका की है, हमारा स्वदेशी टूथपेस्ट विकको वजरदन्ति, बैद्यनाथ, हार गया इन विदेशी टूथपेस्टो से, हमने हमारे दांत विदेशी टूथपेस्ट से साफ कर लिए अब बारी आती है हमारे शरीर को साफ करने की यानी स्नान करने की फिर से विदेशी साबुन हावी है हम स्नान करते हैं पीयर्स, डव साबुनो से डव एक अमेरिकी ब्रांड है, जिसका स्वामित्व ब्रिटिश बहुराष्ट्रीय उपभोक्ता सामान कंपनी यूनिलीवर के पास है। फिर हार गए हमारे स्वदेशी साबुन, अगर कोई व्यक्ति स्वदेशी साबुन जैसे मैसूर संदल, संतूर खरीदता है, तो लोग कहते हैं, कम पढ़ा लिखा है या गरीब है इसलिए ऐसे साबुन इस्तेमाल कर रहा है, स्नान करने के बाद बारी आती है विदेशी परफ्यूम्स अजमल, ब्लैक आर्किड लगाने की, शरीर पर विदेशी लिवाइस जींस आंखों पर रेबन का चश्मा, कलाई पर राडो, रोलेक्स की घड़ियां, जेब में एप्पल कंपनी का मोबाइल, नाश्ते में नेस्कैफे की कॉफी, और मैकडोनाल्ड का बर्गर, दोपहर के भोजन में केएफसी का चिकन मांसाहारीयों के लिए, और पनीर टिक्का शाकाहारीयों के लिए। गाड़ियां भी इस्तेमाल होती है टोयोटा और होंडा। अब आप ही बताएं क्या हम जहनी तौर पर आजाद हो गए हैं या अभी भी हम विदेशी कंपनियों के गुलाम हैं। स्वदेश शब्द में ही स्वदेशी का अर्थ छुपा हुआ है मतलब अपने देश का सामान अथवा अपने देश में निर्मित वस्तुएं खरीदें। जैसे कि आप जानते हैं भारत में बहुत बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां लगी हुई है जहां पर बड़े पैमाने पर बहुत सारे प्रोडक्ट बनाए जाते हैं वे सभी प्रोडक्ट हमारे स्वदेशी प्रोडक्ट कहलाते हैं। यदि भारत का प्रत्येक नागरिक स्वदेशी वस्तुओं का ही इस्तेमाल करें तो भारत देश को बहुत ज्यादा फायदे प्राप्त हो सकते हैं, भारत में बनी वस्तुओं के इस्तेमाल से भारत में कमाया गया पैसा भारत में ही सामान खरीदने में लगाया जा सकता है जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। स्वदेशी बनें, स्वदेशी चुनें देश को आगे बढ़ाना है, गांव को बचाना है, रोजगार बढ़ाना है, विदेशी सामानों का बहिष्कार करें, शान से राष्ट्रीय ध्वज फहराना है।

आप सबको 75 वें स्वतंत्रता दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

रूपादे विद्यालय के छात्रों द्वारा तिरंगा रैली का आयोजन किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान देवीकोट गांव में सबसे बड़ा विद्यालय श्री रूपादे उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों द्वारा तिरंगा रैली निकाल कर का हर घर तिरंगे का संदेश दिया छात्रों ने जयकारों के साथ में रैली निकाली विद्यालय निदेशक उगम सिंह राठौड़ लूना ने बताया हर घर तिरंगा हर घर झंडा इसको लेकर विद्यालय के छात्रों द्वारा रैली निकालकर सभी को यह संदेश दिया कि हर घर तिरंगा लगाए, तिरंगा हमारी आन बान शान है। राठौड़ ने बताया विद्यालय के 580 विद्यार्थियों ने रैली में भाग लिया। जिसमें सभी अध्यापकों सहयोग रहा। प्रधानाचार्य लक्ष्मण राम और सभी अध्यापक मौजूद रहे। विपिन जी टीकम सिंह चौहान जोधा लीला राम जी रमेश जी झलौरा महेश दान विक्रम जी भोम सिंह छात्रावास अधीक्षक सवाई सिंह भाटी तेजमालता अनिल जी पवनेश जी हरी कुमार शुक्ला विकास जी गोपाल सिंह चौधरी श्रवण कुमार सुरेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

श्वास तिरंगा... ध्यास तिरंगा... कणाकणांत तिरंगा...
प्रीत तिरंगा... गीत तिरंगा... सुरासुरांत तिरंगा...

स्वातंत्र्याच्या अमृत महोत्सवानिमित्त हार्दिक शुभेच्छा!

श्री. एकनाथ शिंदे
मा. मुख्यमंत्री

श्री. देवेंद्र फडणवीस
मा. उपमुख्यमंत्री

www.mahasamvad.in | /MahaDGIPR | /MaharashtraDGIPR | महाराष्ट्र शासन

माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, महाराष्ट्र शासन

DGIPR/2022-23 / C 2400

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंब्रा पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, हत्थे चढ़े तीन चोर

40 दो पहिया वाहन गाड़ियां बरामद, तथा दो नशीला अमली पदार्थ विक्रेता को गिरफ्तार किया गया तलाशी के दौरान उनके पास से 72 ग्राम एमडी पाउडर हुआ बरामद

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। जब से मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्री अशोक कडलग के कार्यभार संभालने के चार महीने बाद पहली बार गत 13 अगस्त शनिवार दोपहर दो बजे ठाणे पुलिस आयुक्तालय के परिमंडल एक के उपायुक्त श्री अविनाश अंबुरे द्वारा ली गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया मुंब्रा कलवा शील डायगर में दो पहिया वाहन चोरी की काफी शिकायतें आ रही थी खबरी की गुप्त सूचना के आधार पर और सीसीटीवी कैमरे की मदद से मुंब्रा पुलिस द्वारा जव्वाद अनवर खान वर्ष 23 व्यवसाय मैकेनिक रहवासी फकीर शाह बिल्डिंग पहला माला रूम नंबर 102 खड़ी मशीन रोड अमृत नगर को गिरफ्तार करने के बाद कथित तौर पर की गई पूछताछ के बाद यह आरोपी की निशानदेही पर मुंब्रा पुलिस द्वारा दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया मोहम्मद आमिर मोहम्मद सिद्दीकी वर्ष 47 व्यवसाय मैकेनिक रहवासी खरडी गांव रोड अलउदेवीया बिल्डिंग रूम नंबर 02 ग्राउंड फ्लोर मुंब्रा, फैजान रिजवान शेख वर्ष 22 व्यवसाय रिक्शा चालक रहवासी बागे महल बिल्डिंग रूम नंबर 201 रहमानिया हॉस्पिटल के पास खड़ी मशीन रोड मुंब्रा को गिरफ्तार करने के बाद उसकी निशानदेही पर मुंब्रा पुलिस द्वारा 40 दो पहिया वाहन गाड़ियों को बरामद किया गया जिसकी बाजार में कुल कीमत बीस लाख रुपए बताई जा रही है अविनाश अंबूरी ने बताया इन तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद मुंब्रा पुलिस द्वारा 15 अपराधिक मामले का खुलासा किया गया जिसमें इन शातिर चोरों

द्वारा दस दोपहिया वाहन चोरी की वारदातों को मुंब्रा शहर में अंजाम दिया गया उसके बाद सांगली,नेरुल, शील डायगर, कलवा ,कापुरबावडी पुलिस स्टेशन में चोरी जैसी संगीन वारदातों को अंजाम दिया इन शातिर चोरों के विरुद्ध में मुंब्रा पुलिस द्वारा गुः रजिः नं 723/2022 भारतीय दंड संहिता की धारा 379,468,471,411,34 के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां पर न्यायालय ने पांच दिनों तक पुलिस हिरासत में रहने के निर्देश दिए इन आरोपियों की चोरी के मामले में बताया गया की जव्वाद और फैजान यह दोनों गाड़ी चुराने का काम किया करते थे उसके बाद मैकेनिक मोहम्मद आमिर दो पहिया वाहन गाड़ी की नंबर प्लेट और इंजन नंबर और चेसी नंबर बदल कर लोगों को गाड़ी बेचने का काम किया करते थे वहीं दूसरी कामयाबी मुंब्रा को तब मिली जब पुलिस हवलदार तुषार महाले को 10 अगस्त बुधवार को खबरी द्वारा गुप्त सूचना मिली की प्राइम हॉस्पिटल के वाय जंक्शन के पास मुंब्रा रेलवे स्टेशन के तरफ जाने वाले रास्ते पर कुछ लोग एमडी(मेफेड्रॉन) पाउडर बेचने के लिए आ रहे हैं इस बात की सूचना मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग को दी उनके मार्गदर्शन में मुंब्रा पुलिस ने 11 अगस्त गुरुवार रात 11:30 बजे जाल बिछाकर दो नशीला अमली पदार्थ विक्रेता को गिरफ्तार किया गया तलाशी के दौरान उनके पास से 72 ग्राम एमडी पाउडर बरामद किया गया जिसकी कीमत बाजार में 1 लाख 29 हजार 600 रुपए बताई जा रही है गिरफ्तार किए गए आरोपी के नाम इरफान अलीम सैयद वर्ष 39 व्यवसाय चालक रहवासी जुबेर अपार्टमेंट रूम नंबर 405 दरगाह रोड अमृत नगर, रज्जाक सिराजुउद्दीन रंगरेज वर्ष 35 व्यवसाय रिक्शा चालक रहवासी दोस्ती म्हाडा बिल्डिंग आय विंग सातवा माला मकान नंबर 707 डायगर इन दोनों आरोपी के विरुद्ध में गुःरजिःनं 737/2022 एनडीपीएस एक्ट की धारा 8 (के), 20,22,29, के तहत गिरफ्तार कर 12 अगस्त शुक्रवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां पर न्यायालय द्वारा 17 अगस्त बुधवार तक पुलिस हिरासत में रहने के निर्देश दिए गए हैं इस मामले की आगे की छानबीन डिटेक्शन ब्रांच की लेडी सिंघम महिला सहायक पुलिस निरीक्षक कृपाली बोरसे द्वारा की जा रही है यह कार्रवाई मां श्री पंजावराव उगले अप्पर पुलिस आयुक्त पश्चिम प्रादेशिक विभाग ठाणे, मां श्री अविनाश अंबुरे पुलिस उपायुक्त परिमंडल एक ठाणे, मां श्री विलास शिंदे सहायक पुलिस आयुक्त कलवा विभाग इनके मार्गदर्शन में मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग की सलाह पर गुनाह के पुलिस निरीक्षक बाबासाहेब निगम, सहायक पुलिस निरीक्षक कृपाली बोरसे, सहायक पुलिस निरीक्षक संतोष उगल मुगले, पुलिस हवलदार महले, पुलिस नाईक परब, पुलिस सिपाही शेळके, पुलिस सिपाही खैरनार, पुलिस सिपाही चौहान, पुलिस शिपाई जमडाडे, पुलिस सिपाही लोखंडे इन सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी द्वारा मिलकर यह कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

मुंब्रा बाईपास पर युवती की गला रेतकर की गई निर्ममता से हत्या

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा बाईपास पर युवती की गला रेतकर की गई निर्ममता से सनसनीखेज हत्या का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार मृतक लड़की का नाम मुस्कान उर्फ नादिया वर्ष 22 रहवासी कौसा परिसर चरनी पड़ा की बताई जा रही है यह सनसनीखेज वारदात की घटना 13 अगस्त शनिवार दोपहर की बताई जा रही है जिसमें हत्यारी अल्तमश मुनव्वर दल्वी रहवासी कौसा गांव का बताया जा रहा है जिसको पुलिस द्वारा मात्र चार घंटों के भीतर ही गिरफ्तार कर लिया गया है इस आरोपी के विरुद्ध में गुः रजिः कं 740/2022 भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया यह वारदात को हत्यारे ने खड़ी मशीन रोड से बाईपास के दत्त मंदिर के पास जाने वाली खंडहर की पहाड़ी पर अंजाम दिया और युवती का गला रेतकर फरार हो गया शाम 5:00 बजे अज्ञात फोन कॉल के जरिए मुंब्रा पुलिस को सूचना दी गई सूचना मिलते ही डिटेक्शन ब्रांच की एपीआई कृपाली बोरसे और उनकी टीम

घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंची और लाश का पंचनामा करने के बाद लाश को कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल मैं पोस्टमार्टम हेतु के लिए भेज दिया इस हत्याकांड के बारे में बताया जा रहा है अल्तमश मुनव्वर दलवी और मुस्कान उर्फ नादीया का प्रेम संबंध काफी समय से दोनों से चल रहा था बीच में दोनों परिवारों द्वारा इस मामले को खत्म किया गया था फिर भी अल्तमश और मुस्कान के प्रेम संबंध जारी थे मृतक मुस्कान उर्फ नादिया की मां ने बताया पिछले 3 दिनों से दोनों में परिवारों को लेकर आपस में फोन पर झगड़ रहे थे और उसी कारण अल्तमश ने मुस्कान उर्फ नादिया की निर्ममता से गला रेत कर हत्या कर दी आखिर क्यों अल्तमश द्वारा की गई निर्ममता से गला रेतकर हत्या इसकी छानबीन मुंब्रा पुलिस द्वारा की जा रही है फिलहाल इस हत्या से पूर मुंब्रा शहर में सनसनी फैल गई है पिछले कुछ महीने पहले भी अमन गार्डन से हत्या का मामला सामने आया था।

बर्तन बाजार में मुस्लिम समाज ने तिरंगा हाथ में लेकर लगाए हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन बीकानेर। रविवार को ठन्ठेरा बर्तन बाजार के अध्यक्ष अब्दुल मजीद खोखर के नेतृत्व में झंडा फहराया गया। ओर देश मे शांति खुशहाली के लिये दुआ की उनके साथ में सैय्यद जुल्फिकार अली, सैयद इमरान वसीम कुरेशी गद्दी नशीन दरगाह हजरत गेबना पीर मुर्तजा अली, सैय्यद मुर्तजा अली उर्फ अप्पु, इमरान खोखर शेर मोहम्मद जोंटी खान ललित कंसारा आदि मौजूद रहे।

आर्य समाज राज नगर में 8 दिवसीय वेद प्रचार का भव्य शुभारंभ हुआ

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। आर्य समाज मंदिर राज नगर में 8 दिवसीय वेद प्रचार समारोह का भव्य शुभारंभ हो गया। वेद प्रचार समारोह के प्रथम दिन ऋग्वेदीय महायज्ञ यज्ञ, भजन एवं प्रवचनों के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आर्य समाज राजनगर में वेद प्रचार समारोह के प्रथम दिन में मुख्य यज्ञमान आर्य समाज के मंत्री श्री सत्यवीर चौधरी रहे। यज्ञ के ब्रह्मा वैदिक विद्वान आचार्य योगेन्द्र याज्ञिक रहे।यज्ञ के बाद आर्य समाज के संरक्षक एवं प्रतिनिधियों ने ओ३म् नाम का ध्वज फहराया। सत्संग भवन में भजनोपदेशक पंडित मोहित शास्त्री ने ईश्वर भक्ति के भजनों से सभी का मार्ग दर्शन किया। मंच का कुशल संचालन यशस्वी मंत्री श्री सत्यवीर चौधरी ने किया उन्होंने कहा की प्रतिदिन प्रातः 7:00 से 10:30 तक,शाम को 4:30 से 6:30 बजे तक, ऋग्वेदीय महायज्ञ,वेद कथा, एवं भजनोपदेश,15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर प्रातः10:30 बजे राष्ट्रीयध्वज फहराया जाएगा तथा शुक्रवार, 19 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव सायं 4 से 6:30 बजे तक होगा। उन्होंने भारी संख्या में लोगों से पहुंचने की अपील की। आर्य समाज के संरक्षक श्री श्रद्धानन्द शर्मा ने दूर दराज से पधारे आर्य प्रतिनिधियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से आर्य समाज राजनगर के प्रधान वीरेंद्र नाथ सरदाना शशिबल गुप्ता ओम प्रकाश आर्य सुरेश गर्ग शंकर लाल शर्मा कौशल गुप्ता शिल्पा गर्ग आदि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जश्न-ए-आजादी

15 अगस्त

हम भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। पूरा देश उल्लास में नहाया हुआ है। लेकिन हमें यह आजादी एक कठिन राह से गुजरकर और बहुत-सी कुर्बानियां देकर हासिल हुई है। इस आजादी की कीमत हमने शहीदों के खून और देशवासियों के बलिदान से चुकाई है। यदि गुजरे इतिहास के पन्नों को खंगालें तो उन बलिदानों पर से परदा उठता है और उन दिनों की स्मृतियां ताजा हो उठती हैं। अंग्रेजों से पहले भारत पर मुगलों का शासन था और उन्होंने अपने राजनीतिक और आर्थिक लाभ के लिए हमारी धरती का उपयोग किया। सन1600 में जब अंग्रेजों ने व्यापार के उद्देश्य से भारत में प्रवेश किया था तो मुगल सम्राट को इसका अंदेशा भी नहीं था कि ये अंग्रेज व्यापार के बहाने उन्हें उनके राज्य से बेदखल कर देंगे। व्यापार की आड़ में देश पर अपना अधिकार जमाने की रणनीति धीरे-धीरे कारगर हुई। जब चालाक मुगल शासक अंग्रेजों की कुटिल रणनीति को नहीं समझ पाए तो भला भोले-भाले लोग उस खतरे को कैसे भांप पाते कि यह व्यापार उनका सर्वस्व लूटने के लिए किया जा रहा है। अत्याचार और लूट-खसोट का यह सिलसिला दो सदियों तक चला और अंतत : एक लंबी लड़ाई के बाद हमें ब्रिटिश हुकूमत से मुक्ति मिली और भारत आजाद हो गया।

है नमन उनको.....

है नमन उनको की जो यशकाय को अमरत्व देकर
इस जगत के शौर्य की जीवित कहानी हो गये हैं
है नमन उनको की जिनके सामने बौना हिमालय
जो धरा पर गिर पडे पर आसमानी हो गये हैं
है नमन उस देहरी को जिस पर तुम खेले कन्हैया
घर तुम्हारे परम तप की राजधानी हो गये हैं
है नमन उनको की जिनके सामने बौना हिमालय ....

हमने भेजे हैं सिकन्दर सिर झुकाए मात खाऐ
हमसे भिडते हैं हैं वो जिनका मन धरा से भर गया है
नर्क में तुम पूछना अपने बुजुर्गों से कभी भी
सिंह के दांतों से गिनती सीखने वालों के आगे
शीश देने की कला में क्या गजब है क्या नया है
जूझना यमराज से आदत पुरानी है हमारी
उत्तरों की खोज में फिर एक नचिकेता गया है

है नमन उनको की जिनकी अग्नि से हारा प्रभंजन
काल कऔतुक जिनके आगे पानी पानी हो गये हैं
है नमन उनको की जिनके सामने बोना हिमालय
जो धरा पर गिर पडे पर आसमानी हो गये हैं
लिख चुकी है विधि तुम्हारी वीरता के पुण्य लेखे
विजय के उदघोष, गीता के कथन तुमको नमन है
राखियों की प्रतीक्षा , सिन्दूरदानों की व्यथा
देशहित प्रतिबद्ध यौवन कै सपन तुमको नमन है
बहन के विश्वास भाई के सखा कुल के सहारे
पिता के व्रत के फलित माँ के नयन तुमको नमन है

है नमन उनको की जिनको काल पाकर हुआ पावन
शिखर जिनके चरण छूकर और मानी हो गये हैं
कंचनी तन, चन्दनी मन , आह, आँसू , प्यार ,सपने,
राष्ट्र के हित कर चले सब कुछ हवन तुमको नमन है
है नमन उनको की जिनके सामने बौना हिमालय
जो धरा पर गिर पडे पर आसमानी हो गये

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई, सोमवार, 15 अगस्त, 2022

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिती

जिग्नेश भाई कलावाड़िया
राष्ट्रीय अध्यक्ष (एबीपीएसएस)

दिलशाद एस .खान
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (एबीपीएसएस)
राष्ट्रीय अध्यक्ष 'अल्पसंख्यक' - गांधी विचार मंच
संपादक - दै. मुंबई हलचल

डॉ सोहेल खंड़वानी
(ट्रस्टी हाजी अली- महिम दरगाह)
संरक्षक (एबीपीएसएस)

राकेश प्रताप सिंह परिहार
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (एबीपीएसएस)

अब्दुल महफूज खान
राष्ट्रीय महासचिव (एबीपीएसएस)

रत्नाकर त्रिपाठी
राष्ट्रीय महासचिव (एबीपीएसएस)

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

MUMBAI HALCHAL
YOUTUBE CHANNEL

श्री मनमोहन गुप्ता

मालाड (पश्चिम) में स्टेशन के सामने सात दशकों से ज्यादा समय से स्थिति सुप्रसिद्ध एम.एम. मिठाईवाला दुकान के मालिक, उद्योगपति, गांधी विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजसेवी व राधेमां के भक्त मनमोहन गुप्ता जी का निधन 13 अगस्त 2022 को हो गया...

दिवंगत पुण्यात्मा को परम प्रभु अपने श्री चरणों का सायुज्य प्रदान करें

तथा इस दुख की घड़ी में उनके बेटे राजीव गुप्ता, संजीव गुप्ता, विक्की गुप्ता तथा भाई मदनमोहन गुप्ता, बृजमोहन गुप्ता, राजमोहन गुप्ता व समस्त गुप्ता परिवार को सहनशक्ति प्रदान करें.